देश के शिल्प और शिल्पकारों को प्रोत्साहन देते हुए सस्टेनेबल फ्यूचर के निर्माण का प्रयास

11 दिसंबर, 2023: भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने 8 दिसंबर को एक थॉट लीडरशिप सेमिनार और थीमैटिक फैशन शो का आयोजन किया। वहीं, 8 और 9 दिसंबर, 2023 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कोलाबा मुंबई में एचएसबीसी द्वारा समर्थित प्रोजेक्ट हैंडमेड इन इंडिया (एचएमआई) के तहत एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद हैंडमेड इन इंडिया परियोजना में कार्यान्वयन भागीदार है। छह क्लस्टर - असम में कामरूप, उड़ीसा में बरगढ़, गुजरात में भुज और सुरेंद्रनगर, मध्य प्रदेश में महेश्वर और तमिलनाडु में सेलम को हैंडमेड इन इंडिया परियोजना के तहत समर्थन और सहायता प्रदान की जा रही है।

प्रदर्शनी में एचएमआई परियोजना के अंतर्गत शामिल छह समूहों के उत्पाद प्रदर्शित किए गए। कुल 25 स्टॉल लगाए गए, जिनमें ईडीआईआई-प्रशिक्षित दस्तकारों और हस्त शिल्पकारों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, श्री रोमित सेन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी, एचएसबीसी इंडिया और सम्मानित अतिथि श्री सत्य प्रसाद वर्मा, अतिरिक्त कपड़ा आयुक्त और कपड़ा समिति, मुंबई के सीईओ द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल, डॉ. सुनील शुक्ला; डॉ. रमन गुजराल, डायरेक्टर, परियोजना विभाग (कॉर्पोरेट), ईडीआईआई और सरकारी मंत्रालयों/विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और प्रसिद्ध संगठनों के कॉर्पोरेट नेता और उद्यमी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत एक थीमेटिक फैशन शो के साथ हुई, जिसमें 'एक सतत भविष्य का निर्माण: भारत में हस्तनिर्मित' और 'प्रेरणादायक विरासत, सशक्त भविष्य: आधुनिक भारत में हथकरघा' विषय के तहत सस्टेनेबिलिटी पर जोर दिया गया। प्रत्येक समूह ने स्थिरता और सशक्तीकरण को अपनाने का संदेश देते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संदर्भ में कालातीत कलात्मकता की जैसे एक कहानी ही पेश की। डिजाइनरों ने मॉडलों के लिए परिधान बनाने के लिए प्रोजेक्ट एचएमआई के तहत ईडीआईआई प्रशिक्षित हस्तशिल्पकारों द्वारा विकसित कपड़े का इस्तेमाल किया।

फैशन शो के बाद एक थॉट लीडरशिप वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें पॉलिसी मेकर, उद्योग के पेशेवरों, चिकित्सकों, बुनकरों और शिल्पकारों सहित अन्य ने भाग लिया। पैनल चर्चा के विषयों में 'प्रेरक विरासत, सशक्त भविष्य: आधुनिक भारत में हथकरघा' और 'एक सतत भविष्य का निर्माण: भारत में हस्तनिर्मित' शामिल थे। विलुप्त होने के कगार पर मौजूद कुछ शिल्पों को पुनर्जीवित करने के ईडीआईआई के मॉडल को विस्तार से साझा किया गया। विभिन्न राज्यों में विभिन्न शिल्पों के लिए मॉडल की प्रतिकृति का मूल्यांकन किया गया और साथ ही सर्वोत्तम तौर—तरीकों की समीक्षा की गई।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री रोमित सेन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी, एचएसबीसी इंडिया ने कहा, 'एचएसबीसी की एचएमआई परियोजना ने हस्तशिल्पकारों के लिए स्थायी आजीविका विकल्प सुनिश्चित करके उन्हें कौशल प्रदान करने और सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

आज ये प्रशिक्षित हस्तशिल्पकार आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और रचनात्मक रूप से सोचने और सही व्यावसायिक रणनीतियों को लागू करने में सक्षम हैं। वे भारत की कला और शिल्प के संरक्षक हैं।'

अतिरिक्त कपड़ा आयुक्त और कपड़ा समिति, मुंबई के सीईओ श्री सत्य प्रसाद वर्मा ने कहा, 'कपड़ा क्षेत्र हमारे देश के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ठोस प्रयासों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से, हम इस क्षेत्र में मजबूत प्रगति देख रहे हैं। विविध समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी सहयोगी प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। सरकार ऐसी पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला ने अपनी टिप्पणी में कहा, 'स्थायी भविष्य की खोज में, ईडीआईआई प्रोजेक्ट एचएमआई के तहत अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से हस्तशिल्पकारों के जीवन में प्रगति और विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश में हस्तशिल्पकारों और बुनकरों का पोषण और सशक्तिकरण करना ही एकमात्र तरीका है जिससे हम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकते हैं।'

श्री रमन गुजराल ने कहा, 'मैं इस कार्यक्रम की सफलता से खुश हूं। फैशन शो और प्रदर्शनी हमारे शिल्प और कारीगरों की क्षमता को दर्शाते हैं। हमें उनके कौशल को विकसित करने और कारोबारी के रूप में उनका विकास सुनिश्चित करने की जरूरत है।'